अमर उजाला

26.10.2018

बनारस के युवा वैज्ञानिकों को सीएम ने किया सम्मानित

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ/वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में आयोजित वैज्ञानिक सम्मान समारोह में वर्ष 2014-15 एवं 2015-16 के लिए युवा वैज्ञानिकों को लोक विज्ञान गौरव सम्मान, युवा वैज्ञानिक सम्मान, विज्ञान रत्न सम्मान से नवाजा। इसमें बनारस के भी छह वैज्ञानिक शामिल रहे। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेजीटेबल रिसर्च जखनी, वाराणसी के डॉ. बिजेन्द्र सिंह को विज्ञान रत्न सम्मान दिया गया। इसमें ढाई लाख रुपये सम्मान राशि दी गई।

लखनऊ लोक भवन में आयोजित विज्ञान सम्मान समारोह में डॉ. संध्या मिश्रा को युवा वैज्ञानिक सम्मान देते सीएम आदित्यनाथ।

डॉ. विशाल मिश्रा

डॉ. ओमप्रकाश सिंह

डॉ. पवन दूबे

ज़्याउर्रहमान

श्रीप्रकाश सिंह रघुवंशी

विज्ञान गौरव, युवा वैज्ञानिक सम्मान, विज्ञान रत्न सम्मान दिया गया

युवा वैज्ञानिक सम्मान पाने वालों की सूची में विज्ञान संस्थान के सेंटर ऑफ जेनेटिक डिसआर्डर इंस्टीट्यूट के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार दुबे, बीएचयू के इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर साइंस के माइक्रोबायोलॉजी एवं प्लांट पैथोलॉजी विभाग की यंग साइंटिस्ट डॉ. संध्या मिश्रा को सम्मानित किया गया है। वर्ष 2015-16 के लिए यह सम्मान आईआईटी बीएचयू के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विशाल मिश्रा, आईएमएस बीएचयू के डिपार्टमेंट ऑफ मेडिसिन के डॉ. ओमप्रकाश सिंह मिला है। सभी वैज्ञानिकों को एक लाख रुपये सम्मान राशि देकर सम्मानित किया गया।

बाल वैज्ञानिक सम्मान में वर्ष 2014-15 के लिए नेशनल इंटर कॉलेज पीलीकोठी के जियाउर्रहमान को 25 हजार रुपये सम्मान राशि देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा बनारस के आराजीलाइन के ढढोरपुर गांव निवासी श्रीप्रकाश सिंह रघुवंशी को 2014-15 के नव अन्वेषक सम्मान के रुप में 25 हजार रुपये दिया गया। श्रीप्रकाश गेहूं सहित अन्य कई फसलों के प्राकृतिक रूप से संरक्षण,संवर्धन का काम करते हैं। इसके अलावा देशी बीजों को लेकर अभियान चलाने के साथ ही रघुवंशी कार्बनिक खाद व जैविक खाद तथा केंचुए की खाद प्रयोग करने की सलाह लगातार किसानों को देते रहे हैं। इस दौरान डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री मोहसिन रजा, अपर मुख्य सचिव कुमार कमलेश,खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री अतुल गर्ग, रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर के अध्यक्ष सुधाकर त्रिपाठी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के निदेशक अन्नावि दिनेश सहित वैज्ञानिक, विज्ञान शिक्षक, छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित रहे।